नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

'विकास' का तात्पर्य सिर्फ आर्थिक विकास नहीं - प्रो. गिरिश्वर मिश्र

वर्धा, दि. 15 अक्टूबर : वर्तमान में विकास सर्वांगीण न होकर एकाकी रह गया है। विकास का तात्पर्य मनुष्य के बहु विद्य विकास से होना चाहिये लेकिन दुर्भाग्य से यह सिर्फ भौतिक और आर्थिक विषयों तक सीमित होकर रह गया है। ये विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र ने विकास एवं शांति अध्ययन विभाग में आयोजित विशेष व्याख्यान माला श्रृंखला में व्यक्त किये। वे विभाग द्वारा जे. पी. जयंती सप्ताह के उदघाटन के अवसर पर 'वर्तमान विकास नीति और गांधीवादी प्रबंधन' विषय पर मुख्य वक्ता के तौर पर बोल रहे थे।

प्रो. मिश्र ने कहा कि गांधीवादी विकास नीति में श्रम एक महत्वपूर्ण और स्वाभाविक प्रक्रिया है जबकि आज समाज में श्रम मुक्त जीवन को अधिक और अनुचित प्रतिष्ठा प्राप्त हो रही है। आज के भौतिकवादी समाज की आलोचना करते हुए प्रो मिश्र ने कहा कि तकनीक के अतिशय प्रयोग ने मुनष्य की संवेदना और उसकी स्मृति पर निर्णायक प्रभाव डाला है, और आज वह सिर्फ उपभोक्ता बनकर रह गया है।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष, डॉ नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने जे. पी. की संपूर्ण क्रांति को याद करते हुए वर्तमान समाज में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने जरुरत और लालच को व्याख्यायित करते हुए कहा कि वर्तमान समाज की विसंगतियाँ उसके अपने लालचों से उपजी है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. मिश्र ने विभाग के छात्रों द्वारा संपादित भित्ति पत्रिका 'शांतिदूत' के प्रवेशांक का लोकार्पण भी किया। इस पत्रिका का संपादन विभाग के शोधार्थी प्रवीण पाठक ने किया है और प्रिंस कुमार सिंह, विवेक पाठक, ऋचा सिंह, शैलेन्द्र कुमार यादव इसके संपादक मंडल के सदस्य हैं।

व्याख्यान कार्यक्रम में विभागीय सहयोगी डॉ. डी. एन. प्रसाद, डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. चित्रा माली के अलावा शोधार्थी मनोज कुमार, पंकज कुमार सिंह, पद्माकर बाविस्कर, मोहन मोहिते, नेहा नेमा, भारती देवी, आशीष कुमार, निर्भय कुमार सिंह, राम कुमार, संजय मांझी, समेत बड़ी संख्या में विभाग के शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। आभार विभाग के प्राध्यापक डॉ. राकेश मिश्र ने माना।